

BSKE-143

कला स्नातक उपाधि कार्यक्रम (FYUP/CBCS)
संस्कृत (BAFSK/ BASKH)

पाठ्यक्रम – संस्कृत परंपरा में दर्शन, धर्म और संस्कृति
पाठ्यक्रम कोड – BSKE-143
(Major)

सत्रीय कार्य
(First Semester)

जनवरी 2025 एवं जुलाई 2025 सत्रों के लिए



मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

कला स्नातक उपाधि कार्यक्रम (FYUP/CBCS)

पाठ्यक्रम –

पाठ्यक्रम कोड – BSKE-143

सत्रीय कार्य – जनवरी 2025 एवं जुलाई 2025

कार्यक्रम कोड : BAFSK/BASKH (FYUP/CBCS)

पाठ्यक्रम कोड : BSKE-143/2025 -2026

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश :- सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

- 1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
- 2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है

अनुक्रमांक :

नाम :

पता :

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :

सत्रीय कार्य कोड :

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड :

दिनांक :

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ

जनवरी 2025 सत्र के लिए : 30 सितम्बर 2025
जुलाई 2025 सत्र के लिए : 31 मार्च 2026

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से व्यवस्थित कीजिए।
2. **अभ्यास** : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

- (क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
- (ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
- (ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कला स्नातक उपाधि कार्यक्रम (FYUP/CBCS)
पाठ्यक्रम शीर्षक – संस्कृत परम्परा में दर्शन, धर्म और संस्कृति

सत्रीय कार्य – **BSKE-143/TMA/2025-2026**
पाठ्यक्रम कोड – **BSKE-143**

पूर्णांक – 100

नोट – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं : –

निम्नलिखित में से किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

10x8=80

1. भारतीय दर्शन के महत्वपूर्ण तत्वों पर प्रकाश डालें।
2. भारतीय दर्शन की विशेषताओं का वर्णन करें।
3. भारतीय दार्शनिक संप्रदाय "चार्वाक दर्शन" पर प्रकाश डालें।
4. धर्म के स्वरूप और प्रकारों का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।
5. कर्म की अवधारणा एवं प्रकार को स्पष्ट करें।
6. संस्कार शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके प्रकारों का वर्णन करें।
7. संस्कारों का सामाजिक महत्व क्या है? स्पष्ट करें।
8. गीता के कर्मयोग पर प्रकाश डालें।
9. स्थित प्रज्ञ के लक्षण पर प्रकाश डालें।
10. त्रिगुणात्मक प्रकृति क्या है? स्पष्ट करें।

12. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए।

5X4=20

- क. बहुसांस्कृतिक समाज दशविध धर्म
ख. यथार्थवाद
ग. पंचमहायज्ञ
ड. स्वधर्म